(पृष्ठ 11 का शेष)

कृषि और उच्च...

55 प्रतिशत होगी। हमे इस मानव संपदा का उपयोग कर संसाधन का विकास करना होगा। इस क्षेत्र में कॉस्ट अकाउण्ट्स प्रोफेशन बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। देश का आधार कृषि है और कृषि की लागत भी निरंतर बढ़ती जा रही है और लोग कृषि क्षेत्र को छोड़कर शहर की ओर पलायन कर रहे हैं। कॉस्ट मैनेजमेंट और अकाउंटिंग प्रोफेशनल ठोस सुझाव के साथ कार्य करें। मंत्री ने कहा कि कॉस्ट अकाउंटिंग प्रोफेशनलों की समस्या को केन्द्रीय मंत्री अरुण जेटली के समक्ष ले जाया जायेगा और प्रधानमंत्री इसमें सुधार लायेंगे।

अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने स्मारिका, सीडी और मैन्युअल जारी किये। इसके अलावा सीएमए और इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेस के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।

कार्यक्रम में विजाग स्टील प्लांट के सीएमडी मधुसूदन राव ने व्यापार में कॉस्ट अकाउण्टेंट्स की भूमिका का विस्तार से उल्लेख किया।

अवसर पर आईसीएआई के डॉ.ए.एस.दुर्गाप्रसाद ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में पी.वी.भट्टड़, पद्मनाभन, राधाकृष्णा ने भी अपने विचार रखे।

तकनीकी सत्र में बी.बी.गोया, करुणा गोपाल, योगेश श्रीवास्तव, एम.रायकेर, वेंकटेश्वरलू, श्रीकांत साहू ने भी अपने विचार रखे। दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से 1,200 से अधिक प्रोफेशनलों ने भाग लिया।